-अनुक्रमणिका-

पृष्ठ-क्रमांक

१) प्राक्कथन - - १ - ९

२) अध्याय पहला - - १० - २२

मन्नू भंडारी : व्यक्तित्व

१) जीवन परिचय

२) जन्म तथा बचपन

३) मातृ संस्कार

४) पितृ संस्कार

५) लेखन संस्कार

६) शिक्षा तथा कालेज संस्कार

७) विवाह एवं पारिवारिक जीवन

८) साहित्यिक पुरस्कार एवं सम्मान

९) निष्कर्ष

१०) संदर्भ

३) अध्याय दूसरा - - २३ - ४९

मन्नू भंडारी : कृतित्व

[उपन्यास और नाटक साहित्य का परिचय]

प्रस्तावना

अ) उपन्यास - सन ई.

१) एक इंच मुस्कान (श्री राजेंद्र यादव के साथ) " १९६१ ई

२) कलवा (बाल उपन्यास) " १९७१ "

३) आपका बंटी " १९७१ "

४) महाभोज " १९७९ "

५) स्वामी (किशोरोपयोगी उपन्यास) " १९८२ "

ब) नाटक सन ई.

१) बिना दीवारों के घर " १९६६ ई

२) महाभोज (नाट्य रुपांतर) " १९८३ "

* निष्कर्ष

* संदर्भ

४) <u>अध्याय तीसरा</u> - — ५०-१२३

राजनीतिक उपन्यास का स्वरुप एवं विचारधाराएँ -

१) प्रस्तावना

२) उपन्यास : शब्द व्युत्पत्ति

३) भारतीय तथा पाश्चात्य मत

४) उपन्यास का पारिभाषिक स्वरुप

५) उपन्यास के मूल तत्व

६) हिंदी उपन्यास का विकास

७) समाज और राजनीति का पारस्परिक संबंध

८) साहित्य और राजनीति का पारस्परिक संबंध

९) साहित्य और राजनीति एक दूसरे के प्रेरक

१०) राजनीतिक उपन्यासों का स्वरुप

११) हिंदी के राजनीतिक उपन्यासों की प्रवृत्तियाँ एवं कला-पक्ष

* १) राजनीतिक उपन्यासों का शिल्प वैशिष्ट्य -

* २) कथानक में राजनीति का स्पर्श -

१) यथार्थता को महत्व

२) उपन्यास में वर्णित विषय

३) वाद निरपेक्ष उपन्यास

४) वाद सापेक्ष उपन्यास

५) मिश्रित उपन्यास

* ३) कथावस्तु की अभिव्यक्ति की शैलियाँ -

१) विवरणात्मक शैली

२) आत्मकथात्मक शैली

३) चेतना प्रवाह शैली

४) छिन्न दलमल शैली

५) कदलीपात विमोल शैली

६) पत्रात्मक शैली

* ४) वस्तु-विधान की पध्दतियाँ -

१) विवरण शैली

२) पात्रों के आधार से

३) दृश्य-विधान शैली

४) पनोरमिक उपन्यास

५) गठन की महत्ता

६) विषय का महत्व

* ५) चरित्र-चित्रण -

१) एकांगी व समतलीय पात्र

२) शोषक व शोषित पात्र

३) पात्रों के भेद

४) पात्रों का चयन, संख्या और परिधि

५) पात्र ऐतिहासिक नहीं - कल्पित

६) अन्य बातें/विशिष्टता

* ६) कथोपकथन -

१) कथानक का विस्तार करना

२) पात्रों की व्याख्या करना

३) उद्देश्य को स्पष्ट करना

४) वातावरण की सृष्टि करना

* ७) वातावरण

* ८) उद्देश्य

* ९) शैली -

१) भाषा

२) पात्रानुकूल भाषा

@ १२) राजनीतिक विचारधाराएँ -

* क) लोकतांत्रिक समाजवाद

१) समाजवाद स्वरुप, परिभाषा और मूलतत्व

२) समाजवाद और लोकतंत्र

३) समाजवाद और पूंजीवाद

४) समाजवाद और गांधीवाद

५) समाजवाद और साम्यवाद

६) समाजवाद : भारतीय चिंतक

७) लोकतांत्रिक समाजवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

८) लोकतांत्रिक समाजवादी विचारधारा : हिंदी उपन्यास

* ख) मार्क्सवादी विचारधारा -

१) मार्क्सवाद का स्वरुप

२) द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का सिध्दांत

३) वर्ग एवं वर्ग संघर्ष

४) सर्वहारा का राजसत्ता पर अधिकार

५) राजसत्ता का अंत: सर्वहारा की सत्ता

६) मार्क्सवादी धारा की प्रवृत्तियॉं

७) मार्क्सवादी विचारधारा पर आधारित हिन्दी उपन्यास

* ग) राष्ट्रवादी चिंतनधारा

१) राष्ट्र: शाब्दिक व्युत्पति: स्वरुप

२) कोशिय अर्थ

३) राष्ट्र और राष्ट्रीयता

४) राष्ट्र और राज्य का संबंध

५) राष्ट्रवाद के प्रकार

६) राष्ट्रवादी चेतना की प्रमुख प्रवृत्तियॉं

७) राष्ट्रवादी विचारधारा पर आधारित हिंदी उपन्यास

* घ) गांधीवादी चेतना -

१) गांधीवाद: गांधीजी का जीवन परिचय

२) व्यक्तित्व

३) भारत का स्वतंत्रता संग्राम और गांधीजी

४) देश के विकास में गांधीवाद का प्रभाव

५) गांधीवाद: स्वरुप

६) गांधीवाद का भारतीय राजनीतिक जीवन पर प्रभाव

७) गांधीवाद की प्रमुख प्रवृत्तियां

८) गांधीवादी विचारधारा पर आधारित हिंदी उपन्यास

* १३) 'महाभोज' में लक्षित विचारधाराएँ -

* १४) निष्कर्ष

* १५) संदर्भ

५) <u>अध्याय चौथा</u> — १२४-१६२

"स्वातंत्र्योत्तर हिंदी की राजनीतिक उपन्यास परंपरा"

१) प्रस्तावना

२) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी के राजनीतिक उपन्यास

१) कठपुतली	सन १९५३	-	"देवेंद्र सत्यार्थी"
२) अमरबेल	" १९५३	-	"वृंदावनलाल वर्मा"
३) धर्मपुत्र	" १९५४	-	"चतुरसेन शास्त्री"
४) मैला आँचल	" १९५४	-	"फणीश्वरनाथ 'रेणु'"
५) निशिकांत	" १९५५	-	"विष्णु प्रभाकर"
६) ज्वालामुखी	" १९५६	-	"अनंत गोपाल शेवडे"
७) उदयास्त	" १९५८	-	"चतुरसेन शास्त्री"
८) भूले-बिसरे चित्र	" १९५९	-	"भगवतीचरण वर्मा"
९) रुपाजीवा	" १९५९	-	"लक्ष्मीनारायण लाल"
१०) प्रतिक्रिया	" १९६१	-	"मन्मथनाथ गुप्त"
११) सागर संगम	" १९६२	-	"मन्मथनाथ गुप्त"

१२) एक और मुख्यमंत्री " १९६९ - "श्री यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र'"

१३) रागदरबारी " १९७५ - "श्रीलाल शुक्ल"

१४) महाभोज " १९७९ - "मन्नू भंडारी"

१५) दारुल शफा " १९८१ - "श्री राजकृष्ण मिश्र"

१६) समय एक शब्द भर नहीं है " १९८१ - "धीरेंद्र अस्थाना"

१७) शांति-भंग " १९८२ - "मुद्राराक्षस"

१८) प्रजाराम " १९८३ - "श्री यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र'"

१९) सुराज " १९८३ - "श्री हिमांशु जोशी"

* ३) निष्कर्ष

* ४) संदर्भ

६) <u>अध्याय पाँचवा</u> - १६३-२२२

"महाभोज" में चित्रित राजनीति

१) प्रस्तावना

२) महाभोज में चित्रित राजनीति

१) दलित और राजनीति

२) राजनीति और समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ

३) जाँच-कमिशन और राजनीति

४) चुनाव घोषणा पत्र और राजनीति

५) दलितो में क्रांति और राजनीति

६) राजनीति में ईमानदार, जनताप्रेमी नेताओं की कथा-व्यथा और राजनीतिक दलों की तोड-फोड

७) राजनीतिक नेता और चुनावी हथकण्डें

८) राजनीति में जासूसों का महत्व

९) राजनीति और न्याय की स्थिति

#१०) राजनीति और सरकारी अफसर

#११) निष्कर्ष

#१२) संदर्भ

७) उपसंहार – २२३ - २३३

८) परिशिष्ट

९) संदर्भ ग्रंथ-सूची – २३४ - २३६